■ संक्षिप्त समाचार

www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के...
3 मुख्यमंत्री नीतीश ने महात्मा गांधी सेतु के समानांतर...
4 कांग्रेस कार्यकाल में खर्ची-पर्ची पर मिलती थी...

वर्ष: 9 | अंक: 225 | दिल्ली, सोमवार, 9 जून 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

राजस्थान में फिर सुलग रही गुर्जर आंदोलन की आग

राजस्थान (एजेन्सी)। राजस्थान में एक बार फिर से गुर्जर आंदोलन की राह पर हैं। भरतपुर जिले के पीलूपुरा गांव में आज को गुर्जर समुदाय की महापंचायत हो रही है, जहां पिछले दो दशकों में समुदाय अक्सर बड़े आंदोलन करता रहा है। हिंडौन-बयाना स्टेट हाईवे के पास हो रही महापंचायत में आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला के नेतृत्व में गुर्जरों के लिए आरक्षण समेत विभिन्न मांगों पर चर्चा की जा रही है। हालांकि महापंचायत को सरकार के मसौदे को सुनने के बाद समाप्त कर दिया गया। लेकिन युवाओं ने कहा कि वे सरकार के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं और आंदोलन जारी रखना चाहते हैं। आरक्षण के मुद्दे पर भरतपुर में गुर्जर समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और रेलवे ट्रैक को अवरुद्ध कर दिया। विजय बैंसला वरिष्ठ गुर्जर नेता कर्नल केएस बैंसला के पुत्र हैं, जिन्होंने चार साल पहले अपनी मृत्यु तक समुदाय के आंदोलन का नेतृत्व किया था। गुर्जर समुदाय ने सरकार को रविवार दोपहर एक बजे तक का अल्टीमेटम दिया था।

कर्नाटक भाजपा ने सीएम और उपमुख्यमंत्री का मांगा इस्तीफा

कर्नाटक (एजेन्सी)। कर्नाटक के भाजपा विधायकों और सांसदों ने रविवार को विधान सौध में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया और 4 जून को बेंगलुरु में हुई भगदड़ को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस्तीफे की मांग की। इस दुखद घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 56 अन्य घायल हो गए। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर्नाटक विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता आर. अशोक और भाजपा नेता चालावाड़ी नारायणसामी ने किया। भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आक्रोश व्यक्त किया, जिसने सीधे तौर पर इस त्रासदी में योगदान दिया। प्रदर्शनकारियों ने सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों को मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की। सबसे तीव्र नारों में सीएम और डिप्टी सीएम को पद से हटाने की मांग शामिल थी, कुछ प्रदर्शनकारियों ने घटना में उनकी भूमिका के लिए उन्हें हत्याराह्व करार दिया।

उतर प्रदेश में कांग्रेस अकेले अपने दम पर लड़ेगी पंचायत चुनाव: अजय राय

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। कांग्रेस की उतर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उनकी पार्टी आगामी पंचायत चुनाव अकेले अपने दम पर लडेगी। राय ने कहा कि हर बूथ पर कार्यकताओं को मजबूत किया जायेगा और हमारे जितने भी बहादूर साथी हैं, उन्हें पचायत चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा, जो साथी चुनाव जीतकर या ज्यादा से ज्यादा चुनाव जिताकर आयेंगे, उन्हे विधानसभा चुनाव मेंमौका दिया जाएगा। यहां स्थानीय सांसद इमरान मसूद के आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राय ने कहा, हमारा कार्यकर्ता प्रदेश के बूथ पर काम करता है, जिले में और ब्लाक में काम करता है, उसे हम ताकतवर बनायेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में ताकत दिखाने के बाद आगे की रणनीति राष्टीय नेतृत्व तय करेगा।

आज नारी शक्ति विकसित भारत के संकल्प में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं: प्रधानमंत्री

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत की यात्रा में महिलाओं द्वारा निभाई गई परिवर्तनकारी भूमिका का उल्लेख किया और पिछले 11 वर्षों के दौरान महिलाओं के नेतृत्व में विकास पर सरकार के ध्यान के बारे में बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी माताओं, बहनों और बेटियों ने ऐसा समय भी देखा है जब उनको हर कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज वे न केवल विकसित भारत के संकल्प में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं बल्कि शिक्षा से लेकर व्यवसाय तक हर क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। श्री मोदी ने आगे कहा कि पिछले 11 वर्षों में नारी शक्ति की सफलताएं सभी नागरिकों के लिए गर्व की बात हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार ने कई प्रभावशाली पहलों के माध्यम से महिलाओं के नेतृत्व में विकास की नई भूमिका तय की है। इनमें स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से सम्मान सुनिश्चित करना, जन धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन और जमीनी स्तर पर

सशक्तिकरण शामिल हैं। उन्होंने उज्ज्वला योजना को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इससे कई घरों की रसोई धुंआ रहित हो गई। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि कैसे मुद्रा ऋणों ने लाखों महिलाओं को उद्यमी बनने और स्वतंत्र रूप से अपने सपनों को पूरा करने में सक्षम बनाया है। पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घरों के प्रावधान ने भी उनकी सुरक्षा और

■ पिछले 11 वर्षों में एनडीए सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास की नई भूमिका तय की है: प्रधानमंत्री

सशक्तिकरण की भावना पर भी बहुत प्रभाव डाला है। प्रधानमंत्री ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को भी याद किया। उन्होंने इसे बालिकाओं की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन बताया। श्री मोदी ने दृढ़ता के साथ कहा कि विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और कई लोगों को प्रेरित कर रही हैं। हमारी माताओं-बहनों और बेटियों ने वो दौर भी देखा है, जब उन्हें कदम-कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज वे ना सिर्फ विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि शिक्षा और व्यवसाय से लेकर हर क्षेत्र में मिसाल कायम कर रही हैं। बीते 11 वर्षों में हमारी नारीशक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।

पिछले 11 वर्षों में एनडीए सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास की नई भूमिका तय की है। स्वच्छ भारत के माध्यम से सम्मान सुनिश्चित करने से लेकर जन धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन तक, विभिन्न पहलों का ध्यान हमारी नारी शक्ति को सशक्त बनाने पर रहा है। उज्ज्वला योजना से कई घरों में रसोई धुआं मुक्त हो गई है। मुद्रा ऋणों ने लाखों महिला उद्यमियों को अपनी शर्तों पर सपने पूरे करने में सक्षम बनाया। पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घरों के प्रावधान ने भी बहुत प्रभाव डाला है।

विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और कई लोगों को प्रेरित कर रही हैं।

भाजपा 2026 में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रही है-अमित शाह

■ 'तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने भ्रष्टाचार की सभी हदें पार कर दी हैं'
■ मैं दिल्ली में रहता हूं, लेकिन मेरे कान हमेशा तमिलनाडु पर लगे रहते हैं -अमित शाह

(एजेन्सी)।

तमिलनाडु। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इसने अपने कार्यकाल के पिछले चार वर्षों में भ्रष्टाचार की सभी हदें पार कर दी हैं। रविवार को मदुरै में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी संकल्प लिया कि भाजपा 2026 में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रही है। शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने भ्रष्टाचार की सभी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा मुहैया कराए गए 450 करोड़ रुपये के पोषण किट को एक निजी कंपनी को सौंपकर बहुत बड़ा घोटाला किया और गरीबों को भोजन से वंचित कर दिया।

संबोधन के शुरूआत में अमित शाह ने कहा कि मैं तमिलनाडु के पार्टी कार्यकर्ताओं से क्षमा मांगता हूं क्योंकि मैं उनसे भारत की महानतम भाषाओं में से एक तमिल में बात नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि 2026 में यहां भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन की एनडीए सरकार बनेगी। मैं दिल्ली में रहता हूं, लेकिन मेरे कान हमेशा तमिलनाडु पर लगे रहते हैं। एमके स्टालिन कहते हैं कि अमित शाह डीएमके को नहीं हरा सकते। वह सही कह रहे हैं। मैं नहीं, बल्कि तमिलनाडु की जनता आपको हराएगी।

उन्होंने यह भी दावा किया कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार ने 4,600 करोड़ रुपये का रेत खनन घोटाला भी किया है, जिससे राज्य के गरीब लोगों को ऊंचे दामों पर रेत खरीदना पड़ रहा है, ताकि सत्तारूढ़ पार्टी को पैसा बनाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि मैं तमिलनाडु सरकार से अपनी मांग दोहराना चाहता हूं कि जल्द ही मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई तमिल भाषा में भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सेंगोल को संसद में बिठाकर तमिलनाडु का सम्मान किया है और मैं उम्मीद करता हूं कि एमके स्टालिन प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इसके लिए धन्यवाद देंगे।

गृह मंत्री ने कथित तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएसएमएसी) घोटाले का भी मुद्दा उठाया और दावा किया कि इससे राज्य के खजाने को 39,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिसका इस्तेमाल तमिलनाडु के प्रत्येक स्कूल में दो अतिरिक्त कमरे बनाने में किया जा सकता था। हालांकि, पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी, जिसमें कहा गया था कि यह केंद्रीय एजेंसी की शक्तियों का अतिक्रमण और संविधान का उल्लंघन है।

उत्तर प्रदेश में किसानों का भविष्य सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में 'डबल इंजन' सरकार कर रही है काम: योगी आदित्यनाथ

(एजेन्सी)।

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य में किसानों का भविष्य सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में ह्यडबल इंजन सरकार काम कर रही है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद किसान इस सरकार के एजेंडों में से एक बन गए। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि देश के 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपने 2014 में पहली बार देखा होगा कि अन्नदाता किसान भी किसी सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन सकता

■ सीएम ने शेल कंपनियों और फर्जी पंजीकृत कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने के दिए निर्देश

है। जब पीएम मोदी ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की... मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बाद प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और फिर प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना लागू की गई और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की गई। देश के 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है। यह डबल इंजन की सरकार राज्य में अपने किसानों के भविष्य को सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब हमारी सरकार आई तो किसान आत्महत्या

कर रहे थे। कहीं कोई सुविधा नहीं थी। 2017 में जब हम आए तो सबसे पहले हमने 86 लाख किसानों के 36000 करोड़ रुपए के कर्जमाफी कार्यक्रम को आगे बढ़ाया और कर्जमाफी के बाद हमने राज्य में सिंचाई क्षमता विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का सहारा लिया। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में राज्य कर विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा की और अधिकारियों को कर वसूली में पारदर्शिता, तकनीकी दक्षता और सख्त प्रवर्तन की नीति अपनाने के निर्देश दिए।

सीएम योगी ने शेल कंपनियों और फर्जी पंजीकृत कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में 16वें वित्त आयोग के सदस्यों के साथ बैठक की। इससे पहले राज्य के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि सीएम योगी ने वित्त आयोग के सामने कई मांगें रखीं। इसमें केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग भी शामिल थी।

स्वच्छता और योग होगा तो गति के साथ विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा देश: सीएम नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक और भव्य

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब देश में स्वच्छता और योग होगा तो देश गति के साथ विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को प्रदेश में 27 मई, 2025 से स्वच्छता अभियान चलाकर शुरू कर दिया गया है। 21 जून के आयोजन के लिए योग की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जब यूएनओ में योग का प्रस्ताव रखा तो 177 देशों ने इस पर अपनी सहमति दी और हमारी धरा से निकाला योग विश्व में हर जन-जन तक पहुंचा है।

प्रधानमंत्री ने योग पद्धति को पूरी दुनिया में फैलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम ऐतिहासिक और भव्य होगा। योग किसी एक व्यक्ति या एक विचार का कार्यक्रम नहीं है। योग में हमारी प्राचीन विचारधारा सम्मलित है। ऋषियों ने हमें उपहार के तौर पर योग और ध्यान दिया है। योग करने से मनुष्य हृष्ट-पुष्ट रहता है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज मल्टीआर्ट कल्चर सेंटर कुरुक्षेत्र के सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर संस्थाओं के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्मंत्री ने संस्थाओं, एनजीओ, व्यापारी संगठन और सभा में मौजूद अन्य संगठनों के पदाधिकारियों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी भूमिका

निभाने का आग्रह किया। साथ ही पतंजलि योग पीठ को शहर में हर घर तक योग का निमंत्रण पहुंचाने को कहा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग को देश-दुनिया में पहुंचाने का काम ऋषि स्वामी रामदेव ने किया है। भगवान श्रीकृष्ण की धरा धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में 21 जून को बाबा रामदेव का आगमन कुरुक्षेत्र वासियों के लिए बड़े गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम एक पृथ्वी, एक स्वस्थ्य है, जबकि हरियाणा सरकार ने इसके साथ योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा को भी जोड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग छोटी-छोटी बीमारियों को दूर करने के लिए दवा लेने लगे हैं, जबकि योग से उन बीमारियों पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। इसलिए हम सभी को योग को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने युवाओं को नशे से बचाना है तो उन्हें योग को अपनाना होगा। योग हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है।मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र वासियों से आग्रह करते हुए कहा कि 21 जून को सभी अपनी निंद्रा को छोडकर सुबह 4 बजे ब्रह्मसरोवर व मेला ग्राउंड में पहुंचकर योग के इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ें और जिसको जो जिम्मेदारी दी गई है, उसको प्रमुखता के साथ निभाने का काम करें। उन्होंने कहा कि ये केवल मात्र योग दिवस नहीं है बल्कि एक मेला है। जिस प्रकार हम दीपावली, होली, भाईदूज जैसे त्योहारों को मनाते हैं, इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को भी उसी प्रकार मनाया जाए। इस कार्यक्रम को लेकर जानकारी दी गई कि ब्रह्मसरोवर और मेला ग्राउंड को 103 सेक्टरों में बांटा गया है। इनमें से 64 सेक्टर ब्रह्मसरोवर और 37 सेक्टर मेला ग्राउंड व आसपास के क्षेत्र में बनाए गए हैं। हर सेक्टर में एक हजार साधकों के योग करने की व्यवस्था बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने सभागार में मौजूद संस्थाओं, एनजीओ व अन्य लोगों को जीवन में नियमित रूप से योग, प्राणायाम और ध्यान को अपनाने, नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। इसके अलावा अपने परिवार, समाज और कार्यस्थल में योग का प्रचार प्रसार करने के लिए प्रेरित भी किया। पूर्व राज्य मंत्री श्री सुभाष सुधा ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के लोगों के लिए सौभाग्य की बात है। इस कार्यक्रम को पूरे विश्व में देखा जाएगा। उन्होंने दावा किया इस कार्यक्रम में शहर के हर घर से नागरिक हिस्सा लेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से शहर में एक मेडिटेशन सेंटर खोलने की मांग भी की।

योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य ने कहा कि 21 जून को कुरुक्षेत्र से योग के साथ पर्यावरण संरक्षण का आगाज हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 लाख योग साधक औषधीय गुणवत्ता वाले पौधों को रोपित भी करेंगे और कुरुक्षेत्र में एक लाख से ज्यादा लोग एक साथ योग करके विश्व का रिकॉर्ड कायम करेंगे।

कोर्ट के आदेश की कोई अवहेलना नहीं कर सकता-रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि मद्रासी कैंप में चलाया गया ध्वस्तीकरण अभियान अदालत के निर्देशों का सख्ती से अनुपालन करते हुए किया गया। उन्होंने कहा कि अदालत ने राजधानी में भविष्य में बाढ़ से संबंधित आपदाओं को रोकने के उद्देश्य से बारापुला नाले को साफ करने के लिए इस झुग्गी बस्ती को चार बार हटाने का आदेश दिया था। मुख्यमंत्री गुप्ता ने जोर देकर कहा कि मद्रासी कैंप के निवासियों को घर आवंटित किए गए हैं और उन्हें वहां स्थानांतरित कर दिया गया है। पत्रकारों से बातचीत में गुप्ता ने कहा कि मैंने साफ तौर पर कहा है कि अगर कोर्ट ने कुछ आदेश दिया है तो न तो सरकार और न ही प्रशासन कुछ कर सकता है। मद्रासी कैंप को तोड़े जाने का सच यह है कि यह बारापुला नाले के किनारे बनाया गया था। कोर्ट ने चार बार इस झुग्गी बस्ती को हटाने का आदेश दिया था, ताकि नाले की सफाई के लिए मशीनें लगाई जा सकें। नहीं तो दिल्ली में 2023 जैसी बाढ़ फिर देखने को मिलेगी। कोर्ट के आदेश की कोई अवहेलना नहीं कर सकता। उस कैंप के निवासियों को घर आवंटित कर वहां शिफ्ट कर दिया गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे कॉलोनी सहित अन्य स्थानों पर भी इसी तरह की कार्रवाई की गई है। मामले का राजनीतिकरण करने के लिए आम आदमी पार्टी नेताओं पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि अगर किसी की जान चली गई तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा।

घरौंडा हलके में विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने 3 करोड़ 36 लाख की तीन परियोजनाओं का किया शिलान्यास

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने रविवार को घरौंडा में 3 करोड़ 36 लाख रुपये की तीन परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसके अलावा उन्होंने 20 लाख रुपये कीमत की सीवर क्लीनिंग मशीन को भी हरी झंडी दिखाकर जनता को समर्पित किया। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सीएचसी घरौंडा, पुरानी तहसील और वार्ड-17 में आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भविष्य में घरौंडा हलके को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जाएगा। विकास कार्यों में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने यहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस पर 70 लाख रुपए की लागत आएगी और निर्माण कार्य नगर पालिका द्वारा 9 महीने में पूरा कराया जाएगा। यूनिट शुरू होने के बाद यहां उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से आने वाले सभी नमूनों (सैंपल) की जांच हो सकेगी। इसके अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम के तहत स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण भी होगा।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा के बीडीपीओ कार्यालय के नजदीक वार्ड-4 में चिल्ड्रन पार्क व लाइब्रेरी के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। करीब एक एकड़ में बनने वाले इस पार्क में पर ढाई करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसे एक साल में तैयार कर लिया जाएगा। उन्होंने वार्ड-17 की अशोका कॉलोनी में रघुवंश सैनी समाज सेवा समिति के अंतर्गत हाल के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। सरकार की ओर से इसके लिए 17 लाख रुपये की ग्रांट दी गई है।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने चिल्ड्रन पार्क को शहर की एक बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि इसके लिए सबसे पहले सुभाष गुप्ता ने सुझाव दिया था। पार्क के लिए जमीन लेने में कुछ समय लग गया। तकनीकी दिक्कतों को दूर करते हुए विकास के प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने में कई बार वक्त लग जाता है। शहर के लिए यह पार्क बड़ी सौगात है।

पार्क की मांग काफी पुरानी थी। उन्होंने बताया कि इस पार्क में ओपन जिम, योग के लिए बड़ा शैड, एक्टिविटी के लिए हाल और लाइब्रेरी बनाई जाएगी। उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों को पार्क में बुजुर्गों के लिए रैंप की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। पार्क का दुरूपयोग न हो, इसके लिए कुछ नियम भी तय करने के लिए कहा।

सम्पादकीय

आरबीआई ने दी राहत

घरों की घटती बिक्री और अर्थव्यवस्था पर लगातार पड़ रहे दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने बड़ा कदम उठाते हुए रेपो रेट में बंपर कटौती कर दी है। आर्थिक मामलों के जानकार, यह उम्मीद लगा रहे थे कि आरबीआई शुक्रवार को रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है लेकिन आरबीआई ने उम्मीद से ज्यादा राहत देते हुए इसमें आधा फीसदी की कटौती कर दी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस बड़े फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि बहुमत से यह फैसला किया गया है। रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद अब यह 5.50 फीसदी हो जाएगा। इसके साथ ही आरबीआई ने कैश रिजर्व रेश्यो में एक प्रतिशत की कमी का भी ऐलान किया। इससे बैंकों के पास पैसा और बढ़ेगा, जिसका इस्तेमाल वे कर्ज बांटने में कर सकेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार तीसरी बार दरों में कटौती की है। आरबीआई ने फरवरी, अप्रैल और जून में यानी कुल मिलाकर रेपो रेट में तीन बार कटौती कर, इसमें 100 बेसिस पॉइंट्स घटा दिए हैं। रेपो रेट और कैश रिजर्व रेश्यो में कटौती के आरबीआई के दोनों फैसलों को अगर साधारण भाषा में बताया जाए तो, इसका एकमात्र बड़ा उद्देश्य लोगों की जेबों तक ज्यादा से ज्यादा पैसा पहुंचाना है ताकि उनके पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त पैसा बचे। अगर लोगों के पास पैसे बचेंगे तो वे खर्च करेंगे, जिससे बाजार में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था की विकास दर भी बढ़ेगी। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा जब बैंक पूरी ईमानदारी के साथ आरबीआई द्वारा की गई कटौतियों का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा पाएंगे। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती के बाद होम लोन लेने वाले लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। मोटे तौर पर अगर अनुमान लगाया जाए तो 20 लाख के लोन की ईएमआई में 600-715 रुपए तक की कटौती हो सकती है यानी एक साल में 8,400 और 20 वर्षों में कुल मिलाकर एक लाख 68 हजार रुपए के लगभग की बचत हो सकती है। वहीं 50 लाख तक के होम लोन की ईएमआई पर 1650-1755 रुपए तक की राहत मिल सकती है। अगर किसी ने 20 वर्षों के लिए इतनी राशि का होम लोन ले रखा होगा तो उसे 4 लाख रुपए से भी ज्यादा की बचत होगी। जाहिर तौर पर होम लोन उपभोक्ताओं को इससे बड़ी राहत मिलेगी, बशर्ते बैंक कागजी कार्यवाही में किंतु-परंतु करने की बजाय सीधे उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाए। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, लगभग 40 फीसदी होम लोन एइछफ अर्थात एक्सटर्नल बेंचमार्क लैंडिंग रेट से जुड़े हैं और उन्हें इस कटौती का तत्काल लाभ मिल जाना चाहिए। बैंकों को ऐसे उपभोक्ताओं को तुरंत राहत दे देनी चाहिए। इसके साथ ही बैंकों को होम लोन लेने वाले उन उपभोक्ताओं को भी राहत पहुंचाने के लिए काम करना चाहिए जो एइछफ से नहीं जुड़े हुए हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक सहित सभी सरकारी एवं प्राइवेट बैंकों को होम लोन उपभोक्ताओं को बार-बार ब्रांच दौड़ाने और कागजी कार्यवाही में फंसाने की बजाय तुरंत ऑनलाइन ही राहत दे देनी चाहिए। बैंकों खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यशैली को देखते हुए, यह अपने आप में किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दावा किया है कि उफ्फ्र अर्थात कैश रिजर्व रेश्यो में एक फीसदी की कमी करने की वजह से बैंकिंग सिस्टम में 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त राशि का इंतजाम हो जाएगा। यह माना जा रहा है कि बैंक अगर इस अतिरिक्त राशि का इस्तेमाल कर्ज बांटने में सही तरीके से करेंगे तो देश की अर्थव्यवस्था में और ज्यादा तेजी आएगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इन कटौतियों की घोषणा करते हुए यह भी साफ किया कि ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई ने अपना काम कर दिया है और दूसरों को क्या करना चाहिए,यह सुझाव देना उनके लिए सही नहीं है। लेकिन यह भी समय की मांग है कि भारतीय रिजर्व बैंक को देश के बैंकों पर निगरानी की व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके फैसलों को लाभ हर हाल में अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए यह बहुत जरूरी है।

जयंती

चौधरी दिगम्बर सिंह

जन्म: 9 जून, 1913- मृत्यु: 10 दिसम्बर, 1995) स्वतंत्रता सेनानी थे और चार बार लोकसभा सांसद रहे। इन्होंने सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। किसानों की 'भूमि अधिग्रहण अधिनियम' में संशोधन का सबसे पहला प्रयास इनका ही था। किसानों की बात संसद में कहने के लिए दिगम्बर सिंह प्रसिद्ध थे। राजा महेन्द्र प्रताप, मनीराम बागड़ी और राजा मानसिंह जैसे नेताओं को इन्होंने लोकसभा चुनावों में हराया था। लगभग 25 वर्ष ये 'मथुरा ज़िला सहकारी बैंक' के अध्यक्ष रहे। मथुरा में 'आकाशवाणी' की स्थापना करवाने का श्रेय इन्हें ही जाता है।

पुण्यतिथि

बिरसा मुंडा

जन्म-15 नवम्बर, 1875 ई., राँची, झारखण्ड; मृत्यु-9 जून, 1900 ई., राँची जेल) एक आदिवासी नेता और लोकनायक थे। ये मुंडा जाति से सम्बन्धित थे। वर्तमान भारत में रांची और सिंहभूमि के आदिवासी बिरसा मुंडा को अब 'बिरसा भगवान' कहकर याद करते हैं। मुंडा आदिवासियों को अंग्रेजों के दमन के विरुद्ध खड़ा करके बिरसा मुंडा ने यह सम्मान अर्जित किया था। 19वीं सदी में बिरसा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक मुख्य कड़ी साबित हुए थे।

कल मिलेंगे

डॉक्टर चिंटू से-चश्मा किसके लिए बनवाना है?
चिंटू-जी, मास्टर जी के लिए.
डॉक्टर-पर ऐसा क्यों?
चिंटू-क्योंकि मास्टर जी को मैं हमेशा गधा ही नजर आता हूं.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के नये चेहरे

4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं

-ललित गर्ग

सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किरदार में नजर आये हैं। थरुर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई।

विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरुर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भों में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा। थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा-जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरुर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं।

4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और जी हुजूर कर-के मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरुर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी।

आग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो ह्लदुष्प्रचारह्ल ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरुर ने तो बड़ी लकीरें खींच दी, कांग्रेस कब ऐसी लकीरें खिंचने की पात्रता विकसित करेंगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो ह्लकीचड़ स्नानह्ल कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।

बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची है। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की राजधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! ओवैसी की राष्ट्रवादी सोच तो समय-समय पर सामने आती रही है। इस तरह मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता तो देश के करोड़ों मुसलमानों के प्रति एक विश्वास और भाईचारे की भावना बढ़ती है। ओवैसी ने तो सबकी निगाहें अपनी ओर खींच ली थीं। इसी तरह डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने अपनी तल्ख और चतुराई भरे अंदाज से भारतीयों एवं दुनिया का दिल जीत लिया है। सांसद कनिमोझी ने स्पेन में अपने हिस्से का पक्ष रखते हुए भारत की राष्ट्रीय भाषा एकता और विविधता का जिक्र कर ऐसी बात कही है जिसके बाद वो जमकर वाहवाही लूट रही हैं। कनिमोझी ने इसके साथ ही कहा कि ह्लहमारे अपने मुद्दे हो सकते हैं, अलग-अलग विचारधाराएं हो सकती हैं, संसद में हमारे बीच तीखी बहस हो सकती है, लेकिन जब भारत की बात आती है, तो हम एक साथ खड़े होते हैं, यही संदेश हम लेकर आए हैं। उनकी ये बातें इसलिए भी खास हैं क्योंकि जहां एक ओर उनकी पार्टी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा नीति को चुनौती देते हुए गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की बात कर रही है। वहां कनिमोझी एकता और विविधता को राष्ट्रीय भाषा बताते हुए अपना पक्ष रख रही हैं। डीएमके सांसद का ये अंदाज सुर्खियों का विषय बना है और लोग जमकर इसकी तारीफ कर रहे हैं। इसी तरह शिवसेना यूबीटी की प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि श्रीकृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं। अब यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मौजूदा संकट पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाना बहुत जरूरी

सिंगापुर में सुरक्षा वार्ता के दौरान बोलते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने चार दिवसीय टकराव के दौरान विमान के नुकसान की बात स्वीकार की। हालांकि, उन्होंने कोई और विवरण नहीं दिया। इस तरह के अपर्याप्त स्पष्टीकरण विफलता की पूरी सीमा को बताने में विफल रहते हैं। मोदी सरकार के 11 साल के रिकॉर्ड-खासकर अनुच्छेद 370 को निरस्त करने-को मौजूदा संकट को देखते हुए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

-पी सुधीर

खून नहीं, बल्कि सिंदूर मेरी रगों में बह रहा है'- प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द ऑपरेशन सिंदूर के बाद के अभियान की शुरूआत करने की उनकी खास शैली को दर्शाते हैं। देश के सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के जवाब में वह या उनकी सरकार और कर भी क्या कर सकती थी। पारदर्शिता और आत्मनिरीक्षण इस सरकार की कभी खासियत नहीं रही। मोदी सरकार की विदेश नीति की रणनीति प्रधानमंत्री को केंद्रीय व्यक्ति के रूप में पेश करने पर बहुत ज्यादा निर्भर रही है, जो सुसंगत कूटनीति को आगे बढ़ाने के बजाय एक व्यक्तित्व पंथ को विकसित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व को विदेश नीति के अगुआ के रूप में स्थापित करने से पारंपरिक कूटनीतिक ज्ञान को उलट दिया गया है और स्थापित कूटनीतिक परंपराओं से स्पष्ट रूप से यह अलग होने का संकेत है।

ऐतिहासिक रूप से, भारत की विदेश नीति इसकी घरेलू नींव में निहित रही है-जिनमें शामिल हैं इसके जीवंत संसदीय लोकतंत्र का लचीलापन, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद से प्रेरित विविधता में एकता, और सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता। इन सिद्धांतों ने वह आधार बनाया जिसने राष्ट्रों के समुदाय में भारत की स्थिति को ऊंचा किया। समान नागरिकता पर आधारित विविधता में एकता भारतीय गणराज्य की एक परिभाषित पहचान रही है।

दुख की बात है कि अब इस विरासत को कमजोर किया जा रहा है। छवि-केंद्रित, व्यक्ति-संचालित कूटनीति को व्यवस्थित और सिद्धांतबद्ध विदेश नीति के विकल्प के रूप में पेश किया जा रहा है। लेकिन यह दृष्टिकोण अस्थिर है-खासकर भारत जैसे देश के लिए, जिसका वैश्विक कद दशकों में बना है, जो उपनिवेशवाद-विरोधी राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में इसके विकास पर आधारित है। हिंदुत्ववादी ताकतों और आरएसएस के वैचारिक डीएनए का हिस्सा है कि वे खुद को इस विरासत से दूर रखें। पहलगाम हत्याकांड के बाद, सरकार को आखिरकार एक सर्वदलीय बैठक के दौरान यह स्वीकार करना पड़ा कि 'सुरक्षा चूक' हुई थी। लेकिन यह स्वीकारोक्ति बहुत कम और बहुत देर से हुई। अब भी, सरकार उस चूक की प्रकृति और दायरे के बारे में स्पष्ट रूप से बताने में विफल रही है।

सिंगापुर में सुरक्षा वार्ता के दौरान बोलते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने चार दिवसीय टकराव के दौरान विमान के नुकसान की बात स्वीकार की। हालांकि, उन्होंने कोई और विवरण नहीं दिया। इस तरह के अपर्याप्त स्पष्टीकरण विफलता की पूरी सीमा को बताने में विफल रहते हैं। मोदी सरकार के 11 साल के रिकॉर्ड-खासकर अनुच्छेद 370 को निरस्त करने-को मौजूदा संकट को देखते हुए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अनुच्छेद 370 को खत्म करने और विलय के साधन को आधार देने वाले ऐतिहासिक तथ्यों को खारिज करने से जम्मू और कश्मीर के भारतीय संघ में एकीकरण की विरासत कमजोर हुई है। इससे भी गंभीर बात यह है कि इसने जम्मू और कश्मीर के लोगों - खासकर घाटी में - द्वारा सीमा पार आतंकवाद का विरोध करने में निभायी गयी महत्वपूर्ण भूमिका को मिटा दिया है।

पहलगाम की घटना के बाद यह बात एकदम स्पष्ट हो गयी है। घाटी भर में लोग हत्याओं के विरोध में सड़कों पर उतर आये, लेकिन जन एकता का यह शक्तिशाली प्रदर्शन, जो एक बहुत ही सकारात्मक घटनाक्रम है, सरकार द्वारा न तो स्वीकार किया गया और न ही इसकी सराहना की गयी। इसके बजाय, हमले में कश्मीरी लोगों को ही शामिल करने का प्रयास किया गया - जिससे सरकार की असली मंशा और सही वैचारिक रुझान का पता चलता है। संविधान में निहित लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों को कायम रखने वाली सरकारों के द्विदलीय दृष्टिकोण की जगह अब गहरे ध्रुवीकरण ने ले ली है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को केवल सैन्य टकराव तक सीमित नहीं रखा जा सकता। शांति की सच्ची इच्छा उद्देश्य की स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाले कार्यों में परिलक्षित होनी चाहिए। विदेश नीति और कूटनीति अलग-थलग प्रयास नहीं हैं; वे घरेलू नीतियों का विस्तार हैं। पिछले 11 वर्षों में हुए घटनाक्रम-जिसमें सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और लोकतांत्रिक और अल्पसंख्यक अधिकारों का क्षरण शामिल है-को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासकर आज के परस्पर जुड़े, सूचना-संचालित वैश्विक परिदृश्य में। एक नागरिक अधिकार समूह की एक तथ्य-खोजी रिपोर्ट ने पहलगाम हमलों के बाद 184 मुस्लिम विरोधी घृणा अपराधों का दस्तावेजीकरण किया, जिसमें व्यापक रूप से मुसलमानों और विशेष रूप से कश्मीरियों को निशाना बनाया गया। ये घटनाएं लगातार जारी रहीं। पहलगाम हत्याओं और सीमा पार से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों की व्यापक परिचालन योजनाओं के बारे में विस्तृत दस्तावेजीकरण की कमी से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का मामला और कमजोर हो गया है। जबकि घरेलू आबादी पाकिस्तान के इरादों के बारे में आश्वस्त हो सकती है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय राय को आश्वस्त करने के लिए कहीं अधिक कठोर साक्ष्य और पारदर्शिता की आवश्यकता होती है।

स्पष्टता का एक दुर्लभ क्षण पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवाने से आया, जिन्होंने टिप्पणी की, 'युद्ध रोमांटिक नहीं है। यह आपकी बॉलीवुड फिल्म नहीं है। यह बहुत गंभीर मामला है... हालाँकि युद्ध हम पर नासमझ लोगों द्वारा थोपा जा सकता है, लेकिन हमें इसका स्वागत नहीं करना चाहिए।' उन्होंने तैयारियों की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि शांतिपूर्ण वार्ता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनयिक संपर्क प्रयास के तहत, विभिन्न दलों के 59 सांसदों को पहलगाम घटना पर भारत सरकार की स्थिति को बताने के लिए विदेशी सांसदों, शिक्षाविदों, थिंक टैंक और मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करने के लिए 32 देशों में भेजा गया था। फिर भी, उल्लेखनीय रूप से, इनमें से कोई भी देश भारत के निकटतम पड़ोसी देश से नहीं था। यह कूटनीतिक प्रयास प्रधानमंत्री की घरेलू बयानबाजी के बिल्कुल विपरीत था, जिसमें उनका दावा था कि 'उनकी रगों में खून नहीं, बल्कि सिंदूर बहता है' और यह घोषणा कि आतंकवाद विरोधी अभियान सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक हैं। लेकिन इस तरह की विलंबित कूटनीतिक पहुंच कितनी सफल रही है, यह इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि पाकिस्तान ने बिना किसी विरोध के आईएमएफ से 1अरब डॉलर का ऋण और विश्व बैंक से 400 लाख डॉलर की सहायता प्राप्त की है। इजराइल और अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के अलावा, किसी अन्य देश ने भारत के रुख का समर्थन नहीं किया है। इस वास्तविकता को नकारने से किसी को कोई मदद नहीं मिलेगी।

दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को अचानक समाप्त करने की घोषणा ने स्थिति को और जटिल बना दिया। सीमा पार नदी बंटवारे का विश्व स्तर पर स्वीकृत सिद्धांत ऊपरी और निचले दोनों तटवर्ती राज्यों के अधिकारों को स्वीकार करता है। पारस्परिक रूप से सहमत संधि से एकतरफा वापसी से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से समर्थन मिलने की संभावना नहीं है। व्यावहारिक रूप से, भारत में नदी के प्रवाह को रोकने के लिए जलाशय क्षमता का अभाव है, और सरकार ने जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों का प्रकाशन फिर से शुरू नहीं किया है। इसका मतलब है कि बाढ़ या सूखे की स्थिति में, पाकिस्तानी किसान और आम लोग सबसे अधिक पीड़ित होंगे। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई आतंकवादियों के खिलाफ है-लोगों के खिलाफ नहीं, चाहे वे भारत में हों या पाकिस्तान में। आतंकवादियों को अलग-थलग किया जाना चाहिए। पूरे समुदाय के खिलाफ लड़ाई से कभी भी सकारात्मक परिणाम नहीं मिलेंगे। इसलिए, सामरिक प्रतिक्रियाएं एक व्यापक और सैद्धांतिक रणनीति का विकल्प नहीं हो सकती हैं।

यही कारण है कि विपक्षी दलों ने मौजूदा संकट के सभी पहलुओं पर चर्चा करने के लिए संसद के विशेष सत्र की मांग की है। सोलह दलों ने पहले ही सरकार को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर ऐसे सत्र की मांग की है-जो स्थिति को स्पष्ट करने के लिए एक आदर्श मंच है। पैचवर्क समाधान वर्तमान में हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकते। अभी भी, प्रधानमंत्री मोदी को युद्धकालीन नेता के रूप में चित्रित करने वाले हजारों कटआउट और बैनर पूरे देश में दिखायी दे रहे हैं। हमने भारत के चुनाव आयोग के साथ अपने संवाद में संघर्ष के इस राजनीतिकरण के बारे में चिंता जतायी थी। चुनावी विचारों से प्रेरित एक घरेलू अभियान अंतरराष्ट्रीय मंच पर उल्टा पड़ सकता है, जहां इसे भारत सरकार द्वारा युद्धोन्माद के रूप में देखा जा सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हस्तक्षेप के इर्द-गिर्द रहस्य, जो तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बराबर है, को भी सरकार द्वारा संबोधित किया जाना चाहिए। यह द्विपक्षीय मामलों में बाहरी मध्यस्थता का विरोध करने पर भारत की लंबे समय से चली आ रही आम सहमति के बिल्कुल विपरीत है। अब एक गंभीर प्रयास ईमानदारी से शुरू होना चाहिए-संसद का एक विशेष सत्र बुलाकर, जम्मू और कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करके, और रोजमर्रा के शासन में लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों को पुनर्जीवित करके। वर्तमान चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने का यही एकमात्र सार्थक रास्ता है।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

कोलंबिया में राष्ट्रपति उम्मीदवार उरीबे को आठ गोलियां लगीं

(एजेन्सी)।
कोलंबिया। कोलंबिया के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और विपक्षी सीनेटर मिगुएल उरीबे टर्बे को शनिवार को बोगोटा में एक अभियान रैली के दौरान गोली मार दी गई और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना शहर के फोंटिबोन जिले के मॉडेलिया पड़ोस में एल गोल्फिटो पार्क में हुई, जहाँ उरीबे समर्थकों की भीड़ को संबोधित कर रहे थे। दक्षिणपंथी डेमोक्रेटिक सेंटर पार्टी के एक प्रमुख व्यक्ति और अगले साल के राष्ट्रपति पद की दौड़ में एक दावेदार, उरीबे पर कथित तौर पर एक व्यक्ति ने हमला किया, जो पीछे से उनके पास आया और गोली चला दी, जिससे उनकी पीठ में चोट लग गई। अधिकारियों ने अभी तक संदिग्ध की पहचान या मकसद की पुष्टि नहीं की है, जबकि उरीबे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। कोलंबिया के पुलिस प्रमुख जनरल कार्लोस ट्रियाना ने कहा कि हमले के समय उरीबे के साथ काउंसिलमैन एंड्रेस बैरियोस और 20 अन्य लोग थे। उन्होंने कहा कि हमले में कथित रूप से संलिप्त एक नाबालिग को घटनास्थल पर ही पकड़ लिया गया और उसका पैर घायल हो गया है तथा उसका उपचार किया जा रहा है। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि मैंने कोलंबिया के सैन्य और पुलिस बलों तथा खुफिया एजेंसियों को आदेश दिया है कि इस पूरे मामले की जांच कर तत्काल स्थिति स्पष्ट करें। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक्स पर कहा कि अमेरिका सीनेटर मिगुएल उरीबे की हत्या के प्रयास की कड़े शब्दों में निंदा करता है और उन्होंने राष्ट्रपति पेट्रो से आग्रह किया कि वह भड़काऊ बयानबाजी पर लगाम लगाने और कोलंबियाई अधिकारियों की रक्षा करने के लिए कदम उठाएं। लैटिन अमेरिका से भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी गई है। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने कहा कि हम हर तरह की हिंसा और असहिष्णुता की निंदा करते हैं। दोनों राष्ट्रपतियों ने सीनेटर के परिवार के प्रति एकजुटता व्यक्त की।

शीर्ष 10 कंपनियों में नौ के बाजार मूल्यांकन में एक लाख करोड़ रुपये का उछाल

(एजेन्सी)।
शीर्ष 10 सूचीबद्ध कंपनियों में नौ के बाजार मूल्यांकन में पिछले सप्ताह कुल 1,00,850.96 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल की। पिछले सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स सूचकांक 737.98 अंक या 0.90 फीसदी चढ़ा। शीर्ष 10 कंपनियों में केवल टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ही पिछड़ी रही। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड को लाभ हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 30,786.38 करोड़ रुपये बढ़कर 19,53,480.09 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 26,668.23 करोड़ रुपये बढ़कर 15,15,853.85 करोड़ रुपये पर रहा। बजाज फाइनेंस ने 12,322.96 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन 5,82,469.45 करोड़ रुपये हो गया।

आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 9,790.87 करोड़ रुपये बढ़कर 10,41,053.07 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में टीसीएस का मूल्यांकन 28,510.53 करोड़ रुपये घटकर 12,24,975.89 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक मूल्यवान कंपनी रही।

पवन कल्याण ने पूरी की ओजी फिल्म की शूटिंग

(एजेन्सी)।
अभिनेता पवन कल्याण ने अपनी आगामी फिल्म ओजी की शूटिंग पूरी कर ली है। ओजी फिल्म का निर्देशन सुजीत ने किया है। सुजीत ने साहो, रन राजा रन और केए जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। यह फिल्म डीवीवी एंटरटेनमेंट के बैनर तले डी वी वी दानय्या और कल्याण दासारी द्वारा निर्मित की गई है। प्रोडक्शन बैनर ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि ओजी फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रियंका मोहन और इमरान हाशमी ने भी अभिनय किया है।

कर्ज में डूबे पाकिस्तान का फैसला, जनता महंगाई से पिस रही, सांसदों की सैलरी 5 गुना बढ़ी

(एजेन्सी)।
गंभीर आर्थिक उथल-पुथल और बढ़ते जन असंतोष के बीच, पाकिस्तानी सरकार ने नेशनल असेंबली के स्पीकर और सीनेट चेयरमैन के वेतन में 500% की भारी वृद्धि को मंजूरी दे दी है। इस फैसले की नागरिकों और विशेषज्ञों दोनों ने आलोचना की है, जिसमें सरकार की वित्तीय अनुशासन के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए गए हैं। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक और सीनेट के चेयरमैन यूसुफ रजा गिलानी को अब 1.3 मिलियन पाकिस्तानी रुपये मासिक वेतन मिलेगा, जो उनके पिछले 205,000 पाकिस्तानी रुपये से काफी ज्यादा है। संसदीय मामलों के मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर पुष्टि की है कि संशोधित वेतन 1 जनवरी, 2025 से लागू होगा। वेतन संशोधन इस साल की शुरूआत में दी गई समान बढ़ोतरी के बाद किया गया है, जिसमें नेशनल असेंबली (एमएनए) के सदस्यों और सीनेटरों के लिए पीकेआर 519,000 मासिक बढ़ोतरी शामिल है। मार्च में, कैबिनेट मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और सलाहकारों को भी 188% वेतन वृद्धि दी गई थी।

ये वेतन वृद्धि सरकार द्वारा देश की वित्तीय परेशानियों को प्रबंधित करने के लिए मितव्ययिता और खर्च में कटौती के बार-बार किए गए वादों के बावजूद की गई है। इस कदम ने पहले से ही बढ़ती मुद्रास्फीति, व्यापक बेरोजगारी, बढ़ती ईंधन लागत और बढ़े हुए कराधान से जूझ रहे नागरिकों से कड़ी प्रतिक्रिया प्राप्त की है। कई लोग वेतन वृद्धि को असंवेदनशील और गलत समय पर किया गया कदम मानते हैं, खासकर तब जब पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बेलआउट पर बहुत अधिक निर्भर है, जिसमें हाल ही में पाकिस्तान से मिला 1 बिलियन डॉलर का पैकेज भी शामिल है।

ज्योति याराजी ने रचा इतिहास, 100 मीटर बाधा दौड़ में जीता गोल्ड मेडल

(एजेन्सी)। भारत की स्टार एथलीट ज्योति याराजी ने ताइवान एथेलिटिक्स ओपन 2025 के पहले दिन 100 मीटर बाधा दौड़ में गोल्ड मेडल जीत लिया है। ये दौड़ उन्होंने सबसे कम समय 12.99 सेकंड में पूरी की। ताइवान ओपन में ये भारत का पहले दिन का चौथा पदक है। जहां ज्याोति याराजी ने 12.99 सेकंड का समय लेकर गोल्ड अपने नाम किया। वहीं जापानी धावक असुका टेराडा (13.04 सेकंड)को सिल्वर और चिसातो कियोयामा (13.10 सेकंड) को कांस्य पदक से मिला। 25 वर्षीय ज्योति ने इससे पहले 29 मई को साउथ कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप में 12.96 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता था। वहीं उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.75 सेकंड का है। इसके अलावा तेजस शिरसे, जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का समय लेकर गोल्ड मेडल जीता है। ये तेजस के करियर का दूसरा सबसे तेज समय था। उनके अलावा ताइवान के ही एथलीट हसीह युआन- काई (13.72 सेकंड) को सिल्वर और कुई-रू चेन (13.75 सेकंड) ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों के उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु कौंधियारा मंडल में कार्यशाला आयोजित

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

प्रयागराज। केन्द्र मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार देवतुल्य कार्यकताओं के मेहनत व जनता के आशीर्वाद का परिणाम है। अनगिनत कार्यकर्ताओं व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो सेवा सुशासन गरीब कल्याण का कीर्तिमान स्थापित किया वह विगत की सरकारों ने सोचा तक नहीं था और प्रधानमंत्री मोदी ने जमीन पर उतारकर दिखा दिया। 2014 के पहले टीवी अखबारों मे घोटालों की खबरें मुख्य पेज पर आती थी और आज 2025 मे रोज करोड़ों के विकास दिखाई दिखाई देते।

2014 के पहले देश निराशा में डूबा हुआ था, राजनेताओं से जनता का विश्वास उठ गया था और 2014 के बाद आज तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र एवं राज्य में विकास सुशासन का कीर्तिमान स्थापित करते हुए जनता में विश्वास बनाए रखा उक्त बातें विकसित भारत के अमृतकाल और सेवा सुशासन गरीब कल्याण के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष पूरे होने के जनता तक सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाने के लिए कौंधियारा मंडल की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार

चतुर्वेदी ने रविवार को जीजीएम स्कूल गौहनिया में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहीं और आगे बताया गरीबों को पांच लाख तक निशुल्क इलाज, आवास, शौचालय, किसान सम्मान निधि सहित सरकार के विभिन्न योजनाओं के जानकारी देते हुए कहा अब भार ना झुकने वाला है ना रूकने वाला है, भारत अब दुश्मनों को घर में घुसकर मारेगा भी और आप सभी के संकल्प से विकसित भारत के संकल्प को भी मोदी के नेतृत्व में पूरा करेगा। मुख्य अतिथि दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया की मंडल स्तर पर 12 से 14 जून व शक्ति केंद्र स्तर पर 15 से 17 जून तक विकसित भारत की संकल्पना एवं हमारी भूमिका, केन्द्र सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धिया, योग शिविर, ग्राम पंचायत चौपाल सहित विभिन्न अभियान चलाया जाएगा। जिसे कार्यकर्ता सरकार के योजनाऐं जन-जन तक पहुंचाते हुए सभी कार्यक्रम सफल बनाने का अनूरोध किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कौंधियारा दिनेश प्रजापति ने करते हुए विषय प्रस्तावना रख अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत एवं आभार जताया। संचालन मंडल उपाध्यक्ष इंद्रजीत पटेल ने किया।

बैठक में अनूसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष राजमणि पासवान, जिला कार्यालय मंत्री मनोज गुप्ता, मंडल प्रभारी वेदेश दत्त पांडे, अभियान संयोजक हरिशरण सिंह, लालचंद शुक्ल, भानु मिश्रा, राजकुमार कुशवाहा, प्रवीण मिश्रा, निशा कुशवाहा, संगीता, रोचक मिश्रा सुधाकर सिंह पटेल, आजाद सिंह पटेल, कुलदीप पांडेय, विनय मिश्रा, बृजेश शुक्ला, सुनील पांडेय, प्रमोद तिवारी आदि के साथ भारी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्टार्टअप प्रोत्साहन योजना की समय सीमा बढ़ाकर 30 सितंबर 2025 तक कर दी गई है : राव नरबीर सिंह

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के आज के युग में युवाओं को औद्योगिक क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने स्टार्टअप पालिसी क्रियान्वित की है, जिसके तहत स्टार्टअप को अनेक प्रकार के प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं। उद्योग मंत्री ने कहा कि उद्योग विभाग ने निर्णय लिया है कि हरियाणा के जो स्टार्टअप विभिन्न योजनाओं जैसे कि लीज रेंटल सब्सिडी स्कीम, पेटेंट लागत प्रतिपूर्ति स्कीम, शुद्ध राज्य जीएसटी प्रतिपूर्ति स्कीम तथा काउड स्टोरेज स्कीम के लिए प्रतिपूर्ति अपने आवेदन जमा नहीं करा पाए, उनके लिए एक मुश्त छूट देते हुए समय सीमा बढ़ाकर 30 सितंबर 2025 तक कर दी गई है। उन्होंने स्टार्टअप से आग्रह किया है कि योजना के लाभ उठाने के लिए उद्योग विभाग से संपर्क करें और तय समय सीमा में अपने आवेदन भेजना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री नीतीश ने महात्मा गांधी सेतु के समानांतर गंगा नदी पर बनाये जा रहे फोरलेन पुल के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

तेजी से निर्माण कार्य पूर्ण करने दिया निर्देश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार ने महात्मा गांधी सेतु के समानांतर गंगा नदी पर बनाये जा रहे फोर लेन पुल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी सेतु से होते हुये गंगा नदी के दक्षिणी छोर से लेकर गंगा नदी के उत्तरी छोर तक निमार्णाधीन पुल तथा एप्रोच पथ का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने हाजीपुर के सैफपुर में पाया नम्बर 9 के पास रुककर अधिकारियों से निर्माण कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव, मिहिर कुमार सिंह ने बताया कि यह पुल 14.5 किलोमीटर लम्बा है। महात्मा गांधी सेतु के समानांतर बनाये जा रहे इस पुल का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। साथ ही दोनों तरफ 08 लेन का एप्रोच पथ भी बनाया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी सेतु के समानांतर इस निर्माणधीन फोरलेन पुल का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करें ताकि महात्मा गांधी सेतु पर अत्यधिक ट्रैफिक लोड के कारण लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिले। इस पुल के निर्माण से उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच यातायात व्यवस्था और सुगम हो जायेगी।

मुजफ्फरपुर, सारण तथा वैशाली जिला की जनता को इसका सीधा लाभ मिलेगा और पटना पहुँचना आसान होगा। हम हमेशा इसके निर्माण कार्य को देखते रहे हैं। जल्द से जल्द इसका निर्माण कार्य पूर्ण करें।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन सह संसदीय कार्यमंत्री, विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव, मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव, कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव, डॉ० संदीप कुमार आर० पुडकलकट्टी, पटना के जिलाधिकारी, डॉ० त्यागराजन एस०एम०, वैशाली की जिलाधिकारी, वर्षा सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक,अवकाश कुमार, वैशाली के पुलिस अधीक्षक, ललित मोहन शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कविवर शक्र की काव्य पुस्तक श्रमदेवता का होगा लोकार्पण

एसबी ब्यूरो

सिमरियाधाम। कलम के मजदूर नाम से विख्यात कविवर रामावतार यादव शक्र की 38वीं पुण्यतिथि पर 10 जून 2025 को शक्र की काव्य पुस्तक श्रमदेवता का लोकार्पण होगा। कविवर शक्र साहित्य उत्थान समिति सिमरिया दो के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम शक्र के पैतृक गांव रुपनगर दुर्गा स्थान के समीप पैक्स भवन में कार्यक्रम आयोजित होगा। कविवर शक्र साहित्य उत्थान समिति के संयोजक राहत रंजन व प्रवीण प्रियदर्शी ने बताया कि मंगलवार की दोपहर एक बजे से जिले के कई साहित्यकारो के द्वारा शक्र की काव्य पुस्तक श्रमदेवता का लोकार्पण व परिचर्चा करेंगे। इसमें एल एन एम यू दरभंगा के पूर्व मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह, बीएचयू वाराणसी के एसोसिएट प्रो. डॉ. रामाज्ञा शशिधर, पूर्व सांसद शत्रुघ्न प्रसाद सिंह व एनटीपीसी बरौनी के सीनियर मैनेजर केसरी नंदन मिश्र समेत कई अन्य अतिथि समारोह को संबोधित करेंगे।

वही कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन होगा इसमें जिले के वरिष्ठ कवि अशांत भोला, प्रफुल्ल मिश्र, रामा मौसम, सच्चिदानंद पाठक समेत कई कवि शिरकत करेंगे। इसके पूर्व दोपर 01:30 बजे जनप्रतिनिधियों, साहित्यकारों व बुद्धिजीवियों के द्वारा रुपनगर दुर्गा स्थान स्थित शक्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर

श्रद्धांजलि दिया जाएगा। समिति के वरिष्ठ सदस्य सह पैक्स अध्यक्ष रामानुज सिंह, पंसस वकील रजक व कविवर रामावतार यादव शक्र के पौत्र कृष्ण नंदन यादव ने बताया कि कविवर शक्र की 38वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह ऐतिहासिक होगा। साहित्यिक समारोह को सफल बनाने तथा शक्र की कविताओं को लोगों की जुबान पर लाने के उद्देश्य से शक्र के पैतृक गांव रुपनगर में शक्र की कविताओं की पंक्ति को गांव की दीवारों पर लिखी गई है। इसके अलावे समिति के सदस्यों व शक्र प्रेमियों भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं।

जिलाधिकारी ने किया सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दिए निर्देश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। वैशाली की जिलाधिकारी, वर्षा सिंह ने शनिवार देर रात स्थानीय सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड की सेवाओं की गुणवत्ता और अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं खुद जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि अस्पताल की स्थिति में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि अस्पताल में 24 घंटे डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि दूर-दराज से आने वाले ग्रामीण और गरीब मरीजों को तत्काल एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके।

निरीक्षण के दौरान कुछ कर्मी अनुपस्थित पाए गए जिन पर आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साफ-सफाई की कमी, दवाओं की उपलब्धता और वार्ड व्यवस्था को लेकर भी जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से भी संवाद किया और फीडबैक लिया।

उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन मरीजों को बेहतर सेवाएं दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सरकार द्वारा दी जा रही निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जिला प्रशासन को अवगत कराएं। सभी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

सोनू नोल्टा हत्याकांड के आरोपी 7 दिन में गिरफ्तार न हुए तो करेंगे एसपी व डीसी आफिस का घेराव-सिमरनजीत सिंह मान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। समाजसेवी सिमरनजीत सिंह मान ने केंद्र सरकार व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि देश से गैंगराज खत्म किया जाए और विदेशों में बैठकर लोगों की हत्याएं करवाने वाले गैंगस्टरों को भारत लाकर फांसी की सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि वह दो दिन पहले गैंगवार में मारे गये सोनू नोल्टा के परिवार के साथ खड़े हैं तथा उनकी हत्या के आरोपी को पकड़े जाने की मांग को जोरशोर से उठाकर पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने का काम करेंगे।

कपूरथला चर्च के पास्टर बरजिंद्र सिंह को सजा दिलवाने तथा पंजाब की बाबा फरीद युर्नीवर्सिटी में हुए घोटाले को उजागर करने वाले समाजसेवी मान ने आज यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दो दिन पहले पिंजौर में गैंगस्टरों की ओर से सोनू नोहल्टा की हत्या कर दी गई। हत्या करने वाला आरोपी दो दिन पहले उसके साथ खाना खाने और दो हजार रुपये लेने के बाद उसकी दो दिन बाद हत्याकर वीडियो अपलोड़ कर हत्या की जिम्मेवारी भी लेता है। उन्होंने कहा कियह पुलिस की जिम्मेवारी बनती है कि वह उसे गिरफ्तार कर सजा दिलवाये।

उन्होंने कहा कि यह दुखदायी बात है कि आये दिन जेल में बंद लारेंस बिश्नोई बाबा सदीकी की और अमेरिका में बैठा उसका भाई अनमोल बिश्नोई तथा एक अन्य गोल्डी बराड़ आये दिन लोगों की हत्यायें करवा रहे हैं। आज कोई भी बड़ा बिजनेसमैन देश के किसी भी हिस्से में सुरक्षित नहीं है। रंगदारी के लिए उसे धमकाया जाता है और जो उन्हें पैसे नहीं देता उसे मरवा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वैसे तो अमेरिका ने हिंदुस्तान के हजारों युवाओं को हथकड़ी लगाकर अमेरिका से डिपोट कर भारत भेज दिया फिर वह इन गैंगस्टरों को शरण क्यों दिये बैठा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की कि अमेरिका से अच्छे संबंधों के चलते इन गैंगस्टरों को वहां से डिपोट करवाकर भारत मंगवाया जाये और इन्हें इनके किये की सजा फांसी दिलवायी जाये।

एक सावाल के जबाव में सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि उन्हें इन गैंगस्टरों से बिल्कुल भी डर नहीं लगता, इसी लिए वह इनके खिलाफ बेखौफ होकर बोलते हैं तथा मिलने वाली धमकियों से भी नहीं डरते। उन्होंने कहा कि वह गुरु के बंदे हैं और मौत से नहीं डरते क्योंकि वह तो निश्चित है और जब लिखी है, वह तो आनी ही है। उन्होंने कहा कि वह सोनू नोल्टा के परिवार के साथ हैं तथा उनके साथ पंजाब की सिख,हिंदू और किसान जत्थेबंदिया भी हैं, यदि एक हफ्ते के अंदर सोनू नोल्टा के हत्यारे पकड़े न गये तो वे लोग डीसी व एसपी आफिस का घेराव करेंगे।

माई बहिन मान योजना को लेकर कांग्रेस का जनसंपर्क अभियान तेज

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। कांग्रेस पार्टी की सांगठनिक और चुनावी गतिविधियां चुनावी वर्ष में अलग ही रंग में नजर आ रही है। एक तरफ प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार पूर्व विधायक अमिता भूषण अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से हर घर झंडा और माई बहिन मान योजना को घर-घर पहुंचा रही है। वहीं संगठनात्मक तौर पर स्थानीय नेता बूथ दर बूथ बैठक कर अपनी सांगठनिक गतिविधियों को धार दे रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर से भी कार्यक्रमों और गतिविधियों की समीक्षा की जा रही है। पिछले दो दिनों में ग्रामीण इलाकों के रजौरा, जीनेदपूर, कैथ, कुशमहौत आदि पंचायत में सांगठनिक बैठक हुई है। दूसरी तरफ राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव किम ने सूजा, कैथ, वीरपुर आदि जगहों पर माई बहिन मान योजना के तहत सैकड़ों महिलाओं को पंजीकृत की भूषण ने एक तरफ जहां वीरपुर के पकडी गांव में महिला स्वरोजगार हेतु लगाई गई सेनेटरी मशीन का निरिक्षण किया वहीं मोहनपुर गांव में स्थानीय कार्यकताओं की एक बैठक में भी शामिल हुईं।

इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह, श्रीकांत राय, धर्मराज सहनी, पंचायत अध्यक्ष अर्जुन पोद्दार, असगर इमाम, सुरेंद्र महतो, आर्यन राज, राम भरोसा यादव, आनन्द प्रेम, अमित कुमार, संजीव सिंह, नीरज तांती, अभय कुमार, अमित कुमार, जयप्रकाश गुप्ता, सुधीर राय आदि लोग काफी सक्रिय दिखे।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद सम्मान एवं बिहार गौरव सम्मान से सम्मानित होंगे कवि

29 जून को पटना में आयोजित होगा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

एसबी ब्यूरो

पटना। काव्य हिन्दुस्तान अंतरराष्ट्रीय साहित्य समूह एक बार और चला पटना बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन की ओर दिनांक 29.6.2025 को आठवां ऑफलाइन कवि सम्मेलन पौधा वितरण, सम्मान समारोह की और समूह द्वारा भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह, पौधा वितरण, 29 जून 2025 बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन पटना में आयोजित किया जा रहा है। इसमें आने वाले आमंत्रित वरिष्ठ साहित्यकार एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ पटना, प्रो. पुष्पा गुप्ता मुजफ्फरपुर, कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी मिन्टू कुमार झा बेगूसराय, हास्य व्यंग्य के चर्चित हस्ताक्षर सीताराम शेरपुरी समस्तीपुर, रमेश चंद्र बाजपेई शिवपुरी मध्यप्रदेश, परिणीता राज खुशबू पटना, लोक गायक डॉ. हरगोविंद कोशले जैजैपुर छत्तीसगढ़, संगीतकार साहित्यकार जेडी बादल छत्तीसगढ़ से पधार रहे हैं संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापिका रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने देश-विदेश से साहित्यकारों का आह्वान किया है। इसमें देश के बहुत सारे साहित्यकारों की स्वीकृति प्रदान हुई है। यह संस्था द्वारा आयोजित आठवां

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह आयोजित होगा इस कार्यक्रम की व्यवस्था विभा रानी श्रीवास्तव द्वारा संपन्न होगी। संस्थापिका एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने आप सभी साहित्यकारों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया है।

इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आप रेखा शर्मा 'स्नेहा' से संपर्क कर सकते हैं-8809523081.

महिला संवाद कार्यक्रम हुआ आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मिन्टू कुमार

बछवाड़ा(बेगूसराय)। प्रखंड क्षेत्र के भीखमचक पंचायत में कांग्रेस पार्टी के द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने महिलाओं से संवाद करते हुए कहा कि बिहार में कांग्रेस पार्टी समर्थित इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही 18 वर्ष की आयु से ऊपर सभी माताओं बहनों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए माई-बहिन मान योजना के माध्यम से उनके बैंक खाते में प्रत्येक महीने पच्चीस सौ रुपए दिया जाएगा।

कांग्रेस पार्टी शासित दूसरे अन्य प्रदेशों में नारी न्याय योजना के माध्यम से महिलाओं को पूर्व से ही दिया जा रहा है। हमलोगों के द्वारा पूरे बिहार में महिला संवाद का कार्यक्रम किया जा रहा जिसका मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण तथा उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने एवं सत्ता में समान भागीदारी सुनिश्चित करने, स्वरोजगार सहित अन्य मुद्दों को लेकर गांव-गांव में कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं से सुझाव लिया जा रहा है। जिसे पार्टी के द्वारा अपने मैनिफेस्टो में सूचीबद्ध भी किया जा रहा है। तथा उन सभी समस्या को सरकार बनते ही शीघ्र दूर करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे क्योंकि बिहार के विकास में आधी आबादी ने बड़ी भूमिका निभाई है। वहीं कई ऐसी मांगों को भी रख रही हैं, जिससे महिला सशक्तीकरण की राह सुलभ हो सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाएं आसानी से अपने गांव के विकास के लिए अपनी इच्छा और आकांक्षाओं को भी सूचीबद्ध करा रही हैं। इस दौरान गरीब दास ने कहा कि महिला संवाद कार्यक्रम जुलाई महीने के अंत तक वार्ड स्तर तक किया जाएगा।

वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बछवाड़ा विधानसभा चुनाव प्रभारी पुष्पेंद्र साहु ने कहा कि कांग्रेस शासित अन्य प्रदेशों में पूर्व से ही नारी न्याय की गारंटी के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से सबल बनाने के लिए पच्चीस सौ रुपए दिया जा रहा है ठीक उसी तरह से बिहार में भी इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही माई-बहिन मान योजना के माध्यम से प्रत्येक महिलाओं को पच्चीस सौ रुपए देने का गारंटी दी है। महिला संवाद कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस पार्टी के द्वारा महिलाओं से सीधे संवाद का अनूठा माध्यम है। जहां महिला सशक्तीकरण एवं आर्थिक सबल संबंधित अपने योजनाओं की जानकारी महिलाओं के साथ साझा किया जाता है। वहीं इन योजनाओं के लाभुक अपने अनुभवों को अन्य महिलाओं एवं युवतियों के साथ साझा कर रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाएं अपने सपनों और जो आकांक्षाएं हैं। उसको खुलकर मंच पर रख रही हैं। इस मंच के माध्यम से महिलाएं जहां अपनी समस्याओं को उजागर कर रही हैं। वहीं विकास की संभावनाओं को भी तलाश रही हैं। साथ ही महिलाएं अपनी अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को सरकार तक सीधे पहुंचा रही हैं। कार्यक्रम को बछवाड़ा विधानसभा चुनावी कॉर्डिनेटर हिमांशु कुमार, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष संजय चौधरी, मंसूरचक प्रखंड अध्यक्ष बालेश्वर महतो, पैक्स अध्यक्ष राजेश कुमार, पूर्व मुखिया सीताराम यादव, पूर्व सरपंच शीला देवी, कुमारी नीलम यादव, उर्मिला पासवान, ब्यूटी कुमारी, डोली देवी, मो उस्मान, निकहत प्रवीण, सोनी प्रवीण, रीता देवी, फुलझरी राय, अनिता रजक, सुधीर पासवान, सुरेश तांती, गमलू पासवान, अहिल्या देवी, सुनीता कुमारी, बुलबुल राय सहित सैकड़ों महिलाओं ने भी अपनी अभिव्यक्ति जाहिर की।

उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता भीखमचक पंचायत के पैक्स अध्यक्ष अरविंद शर्मा व संचालन पूर्व सरपंच सह कांग्रेस मंडल अध्यक्ष सुरेश राय ने किया।

कथा के सातवें दिन हुआ कृष्ण–रुक्मिणी विवाह एवं सुदामा चरित्र का सजीव चित्रण

संजना भारती संवाददाता

टोंक। राजस्थान विजयवर्गीय नराणीवाल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के सातवें दिन कथा स्थल अग्रवाल धर्मशाला, टोंक भक्ति, श्रद्धा और सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर रहा। स्वामी रामनिवास जी महाराज (पीठाधीश, रामद्वारा, टोंक) ने कृष्ण-रुक्मिणी विवाह और सुदामा चरित्र का अत्यंत भावपूर्ण और मन को छू लेने वाला वर्णन किया। जीवन मूल्यों से परिपूर्ण आज की कथा कृष्ण विवाह के प्रसंग में श्रद्धालु श्रीकृष्ण की करुणा, रुक्मिणी की निष्ठा और धर्म की विजय का भाव आत्मसात करते नजर आए। सुदामा चरित्र ने कथा स्थल को भावुकता से भर दिया मित्रता, विनम्रता और आत्मीयता के इस प्रसंग ने सबका हृदय जीत लिया। खाटू श्याम भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु शाम को आयोजित खाटू श्याम भजन संध्या में लोक कलाकारों और भजन मंडलियों की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। भजनों की स्वर लहरियों के साथ सैकड़ों श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। स्वामी रामनिवास जी महाराज ने कहा तुलसी विवाह जीवन में संयम, श्रद्धा और आध्यात्मिक पवित्रता का प्रतीक है। यह वैवाहिक संस्कार नहीं, बल्कि धर्म का उत्सव है। आयोजन की पृष्ठभूमि चारधाम यात्रा और गंगोज के उपलक्ष्य में यह संपूर्ण कथा आयोजन रामेश्वरी देवी एवं रमेश विजयवर्गीय द्वारा चारधाम यात्रा पूर्ण करने तथा गंगोज एवं तुलसी विवाह के पावन उपलक्ष्य में श्रद्धापूर्वक करवाया जा रहा है। सात संतों की उपस्थिति में दीपित हुआ धर्मपथ। इस आयोजन में सप्त ऋषियों की भांति सात संतों की उपस्थिति ने धार्मिक वातावरण को दिव्यता और सात्विक ऊर्जा से आलोकित किया है स्वामी रामनिवास जी महाराज (रामद्वारा, टोंक) कोमल राम महाराज सरोवर राम महाराज (कोटा) छगन राम महाराजपरस राम महाराज गोपी राम महाराज सुख राम महाराज रामेश्वरी देवी एवं रमेश विजयवर्गीय, रामकिशोर विजयवर्गीय, प्रह्लाद दास नराणीवाल, राकेश विजयवर्गीय, पवन विजयवर्गीय, विमल विजयवर्गीय, अनिल विजयवर्गीय एवं समस्त विजयवर्गीय-नराणीवाल परिवार। सैकड़ों श्रद्धालु ले रहे हैं भक्ति, सेवा और संस्कारों की प्रेरणा इस कथा सप्ताह में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु भाग लेकर न केवल भक्ति रस में डूब रहे हैं, बल्कि संस्कार, सेवा और समर्पण को भी अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। यह जानकारी आयोजन समिति की ओर से ऋषभ विजयवर्गीय द्वारा साझा की गई।

प्रदेश की नॉनस्टॉप सरकार ने डीएससी समाज को उनके अधिकार दिलाने का काम किया: सीएम नायब सैनी

■ असंध नगर पालिका चेयरपर्सन सुनीता रानी ने भी मुख्यमंत्री का किया स्वागत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

चंडीगढ़। वंचित अनुसूचित जाति प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी के नेतृत्व में संत कबीर कुटीर पधारे प्रतिनिधिमंडल ने पगड़ी पहनाकर जो सम्मान प्रदान किया, उसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। उक्त बात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने सरकार के जनहितकारी कार्यों की सराहना की और हाल ही में डीएससी समाज के हित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। सीएम ने कहा कि प्रदेश की नॉनस्टॉप सरकार ने न केवल डीएससी समाज को उनका अधिकार दिलाने का कार्य किया है, बल्कि सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ सभी वर्गों के समावेशी विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जनसेवा के इस पथ पर सरकार लगातार आगे बढ़ रही है ताकि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँच सके।

इस अवसर पर असध नगर पालिका चेयरपर्सन सुनीता रानी ने भी समाज की तरफ से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का फूल मालाओं से स्वागत किया।

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर मोबाइल मेडिकल युनिट में 101 लोगों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शनिवार को राजौंद के वार्ड नंबर 3 में पहुंच कर टीम द्वारा लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया गया। मोबाइल मेडिकल युनिट में एमबीबीएस डॉक्टर द्वारा परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई। इस मौके पर रक्त और युरिन के टेस्ट भी किये गये। मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा 80 मरीजों को परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई साथ ही 21 लोगों के रक्त एवं युरिन के टेस्ट भी किए गए। उल्लेखनीय है कि सांसद नवीन जिन्दल द्वारा स्वस्थ कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र अभियान चलाया जा रहा है।

कार्यालय प्रभारी कलायत कर्मवीर सिसोदिया ने बताया कि इस स्वास्थ्य अभियान के तहत लोगों को निःशुल्क दवाइयां, परामर्श और खान-पान से संबंधित स्वास्थ्यवर्धक आदतों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं पात्र नागरिक: डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवार जिनकी सालाना आय 1.80 लाख से कम है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है, वे दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 50 हजार रुपये अनुदान यानि कि कुल 1.10 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं । जिन परिवारों की सालाना आय तीन लाख रुपये तक है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है वो परिवार दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 20 हजार रुपये का अनुदान यानि कि कुल 80 हजार रुपये का

उपायुक्त कैथल प्रीति।

अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद तीन किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 78 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया केंद्र सरकार का अनुदान सभी आय वर्गों के लोगों को दिया जाएगा। यानि केंद्र का अनुदान लेने के लिए आय से संबंधित कोई शर्त नहीं है। इस योजना का लाभ लेने से बिजली बिल जीरो हो जाएगा और जो अतिरिक्त बिजली बचेगी, उस बिजली को भी सरकार खरीदेगी, जिससे उनकी अतिरिक्त आय होगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की यह बेहतरीन योजना है जिसके द्वारा समाज की हर वर्ग की ऊर्जा संबंधित जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। अगर खपत से ज्यादा बिजली का उत्पादन सोलर पैनल द्वारा किया जाता है तो वह बिजली के खाते में जाएगा जिसका भुगतान सरकार द्वारा उक्त मकान मालिक को किया जाएगा। इस योजना से सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और स्वच्छ ऊर्जा के स्त्रोतों को अपनाने में मदद मिलेगी।

आरोही स्कूल सोंगरी में भारतीय भाषा समर कैंप का समापन

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोंगरी में 2 जून प्रतिदिन 4 घंटे भारतीय भाषा समर कैंप का आयोजन किया जा रहा था। 8 जून को समर कैंप का समापन समारोह किया गया। इस अवसर पर कैंप में उपस्थित रहने वाले सभी छात्रों को सर्टिफिकेट दिए गए व अनेक गतिविधियों में अव्वल रहने वाले छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया। छात्रों ने समर कैंप के दौरान अपने अनुभव सांझा किए। कैंप में भाग लेने वाली नौवीं क्लास की छात्रा मानसी ने बताया कि इस कैंप के जरिए उनमें आत्मविश्वास का संचार हुआ। इसी क्लास की छात्रा जैस्मिन का कहना है इस कैंप के जरिए उन्हें अपने शिक्षक और अपने साथी छात्रों के साथ प्रेरणादायक समय बिताने का मौका मिला है।

दसवीं कक्षा की छात्रा मन्नत के अनुसार इस कैंप के जरिए उनका पढ़ाई का मानसिक तनाव कम हुआ। 11वीं में विज्ञान संकाय की छात्रा स्नेहा के अनुसार इस कैंप ने उन्हें किताबों से बाहर की व्यवसायिक गतिविधियों अवगत करवाया और इसके जरिए हमें अपने देश की विभिन्न संस्कृतियों को जानने का मौका मिला। सरकार द्वारा देश हित में चलाए जा रहे अनेकों प्रकार के प्रयासों का भी ज्ञान हुआ। अन्य छात्र-छात्राओं ने भी बताया कि कैंप के दौरान उन्हें अन्य कक्षाओं के बच्चों के साथ व सभी अध्यापकों के ज्ञान को सांझा करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस कैंप से उन्हें अपने मां के भावों को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह 7 दिन का समय उनके जीवन का एक यादगार समय रहेगा।

इस अवसर पर कुछ सामुदायिक सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया जिन्होंने छात्रों को मेहनत करके गांव का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल प्राचार्या डॉ सुनीता आहूजा ने बताया कि कक्षाओं के दौरान सभी विद्यार्थियों को अन्य गतिविधियों के लिए कम समय मिलता है।

कैंप के दौरान उन्हें विभिन्न प्रकार की खेल, शैक्षिक, कला, सांस्कृतिक, गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला जिससे शिविरार्थियों को सामाजिक समझ बढ़ी व मानसिक विकास हुआ।

दयालु योजना के तहत मृत्यु या दिव्यांग होने पर दी जाती है आर्थिक सहायता: उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) लागू की गई है। इसके तहत प्रदेश के गरीब परिवारों में 6 से 60 साल की आयु तक के किसी व्यक्ति की मृत्यु होने अथवा दिव्यांग होने पर आर्थिक मदद दी जा रही है। इस योजना के दायरे में एक लाख 80 हजार रुपये तक की आय वाले परिवार आएंगे। आवेदन के लिए परिवार के पास पीपीपी होना जरूरी है। यदि परिवार में किसी की एक्सीडेंट या प्राकृतिक मृत्यु हुई है, तो उसका मृत्यु प्रमाण पत्र देना होगा। यदि एक्सीडेंट में दिव्यांग हुआ है तो उसका दिव्यांगता प्रमाण पत्र, अस्पताल से डिस्चार्ज के दस्तावेज और एफआईआर की कॉपी जरूरी है।

डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि दयालु योजना का मुख्य उद्देश्य पीड़ित परिवार की आर्थिक सहायता करना है, जिससे उन्हें सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा मिल सके। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र में जो बैंक खाता नंबर दिया हुआ है, उसी में सहायता राशि को भेजा जाएगा। दुर्घटना होने के तीन माह के भीतर इस

योजना के तहत आवेदन करना आवश्यक है। इसके लिए हरियाणा सरकार ने दयालु पोर्टल बनाया हुआ है। जिस पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि दयालु योजना के तहत गरीब परिवारों के 6 से 12 साल तक के बच्चे की मृत्यु या 100 प्रतिशत दिव्यांग होने पर एक लाख रुपये दिए जाएंगे, इसी प्रकार से 12 से 18 वर्ष की आयु पर 2 लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष की आयु तक 3 लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष की आयु पर 5 लाख रुपए और इसके बाद 60 साल की आयु पर 3 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

15 जुलाई को जिला स्तर पर करेगें प्रदर्शन: कृष्ण शर्मा

■ ब्लॉक असंध की रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक सम्पन्न

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। ब्लॉक असंध रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की मासिक मीटिंग खंड प्रधान कर्मवीर दुहन की अध्यक्षता में प्रजापति धर्मशाला में सम्पन्न हुई। मंच का संचालन खंड सचिव राममेहर ने किया। मीटिंग में विशेष रूप से राज्य उप महासचिव कृष्ण शर्मा, जिला प्रधान मास्टर बलराज सिंह, जिला कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह रावत, जिला उपप्रधान कर्मवीर शर्मा व नसीब सिंह राणा ने शिरकत की। राज्य उप महासचिव कृष्ण शर्मा ने 29 मई को रोहतक की राज्य कार्यकारिणी की मीटिंग में लिए गए निर्णयों व सरकार से हुई बातचीत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा पारित किए पेंशन विधेयक को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता क्योंकि इसके तहत 31 दिसंबर 2025 तक रिटायर होने वाले कर्मचारियों को 8वें वेतन आयोग के मिलने वाले लाभों से वंचित कर दिया जाएगा। इसलिए केंद्र व प्रदेश के लाखों पेंशनर्ज मिलकर इस विधेयक को वापस लेने तक मिलकर संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई को जिला स्तर पर प्रदर्शन करेगें और 9 जुलाई की देशव्यापी हड़ताल का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को दिल्ली में जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया जाएगा।

मीटिंग में राम हित राम, मनीराम शर्मा, महेंद्र दुहन, नरेश कादयान, रामरतन, हरदीप सिंह, रघुवीर सिंह, धीर सिंह, दयानंद, कृष्ण लाल, सोहन लाल, रामकुमार, हुकमचंद, चैन सिंह, सुबे सिंह, गोपाल आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकाल में खर्ची-पर्ची पर मिलती थी नौकरियां: मनोहर लाल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल में प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन के आयोजन में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भाजपा के चुनावी संकल्प पत्र के बारे में बताया। सम्मेलन मे मनोहर लाल ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार चरम पर था। उस दौरान युवाओं को नौकरियां भी खर्ची-पर्ची के आधार पर मिलती थीं और थाने-चौकियां तक बिकती थीं। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने चुनावी संकल्प पत्र के माध्यम से भाजपा के विकास कार्यों के बारे बताते हुए कहा कि करनाल में औद्योगिक टाउनशिप (आईएमटी) बनाई जाएगी।

टाउनशिप बन जाने के बाद युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके अलावा करनाल में फार्मा पार्क को भी बनाया जाएगा। फार्मा पार्क के बन जाने से फार्मा उद्योग को एक नई दिशा मिलेगी और लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

राष्ट्रीय संत पूज्य पीयूष मुनि जी महाराज का अम्बाला आगमन पर वीरेश शांडिल्य ने किया भव्य स्वागत

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। भारत की सनातन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा को जीवंत रखने वाले राष्ट्रीय संत पूज्य पीयूष मुनि जी महाराज का आज अम्बाला शहर में शुभागमन हुआ। इस अवसर पर पूज्य पीयूष मुनि महाराज का पालिका विहार भव्य स्वागत एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया एवं विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर संदीप जैन, सविता जैन, वासु रंजन शांडिल्य और शिव रंजन शांडिल्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शांडिल्य ने कहा पूज्य पीयूष मुनि जी का जीवन सेवा, त्याग और आत्मकल्याण का जीवंत उदाहरण है। शांडिल्य ने कहा जैन धर्म की परिभाषा को साकार करते हुए जिन्होंने अपने मन, वाणी और शरीर पर विजय पाई, और आत्मज्ञान के पथ पर चलकर सम्यक ज्ञान प्राप्त किया ऐसे ही हैं पूज्य पीयूष मुनि महाराज भी जैन समाज की परिभाषा को चरितार्थ कर रहे हैं।

एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया एवं विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने मांग की है कि देशभर में पैदल भ्रमणशील धर्मगुरुओं को सुरक्षा प्रदान करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ये संत पैदल यात्रा करते हुए जन-जन तक अहिंसा, शांति, सेवा और धर्म का संदेश पहुंचाते हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा को अनदेखा नहीं किया जा सकता। शांडिल्य ने आग्रह किया कि हर राज्य सरकार को धर्मगुरुओं की यात्रा की जानकारी मिलते

ही उचित सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने चाहिए, ताकि इन संतों को बिना किसी भय या व्यवधान के समाज सेवा और धार्मिक प्रचार-प्रसार का कार्य करने में सुविधा हो क्योंकि अभी अप्रैल में जैन संतों पर भ्रमण के दौरान हमला हो गया था।

वीरेश शांडिल्य ने कहा उनकी प्रेरणा का मूल स्तंभ केवल साधना ही नहीं, प्राणीमात्र की सेवा है। वे वर्षों से पैदल यात्रा करते हुए जन-जन को अहिंसा, करुणा, संयम और सच्चे धर्म का संदेश दे रहे हैं। पशु-पक्षियों एवं बेजुबानों की सेवा को उन्होंने अपना धर्म माना है जो आज के युग में अत्यंत दुर्लभ और अनुकरणीय है।

बता दें पीयूष मुनि महाराज वर्तमान में श्री आतम मनोहर जैन आराधना मंदिर एवं श्री घंटाकर्ण महावीर देवस्थान, कुराली, करनाल के आध्यात्मिक संरक्षक हैं, और उनका जीवन संपूर्ण भारतवर्ष में भ्रमण करते हुए समाज में नैतिक जागरूकता, धार्मिक चेतना और सेवा-भावना का विस्तार करने में समर्पित है।

वीरेश शांडिल्य ने कहा ऐसे संतों का सान्निध्य पाकर ही समाज जाग्रत होता है। पीयूष मुनि जी महाराज जैसे संतों ने भारतीय संस्कृति की आत्मा को जीवित रखा है। उनके विचार और कार्य आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

परंपरात खेती छोड़ नई तकनीक अपनाएं किसान: रणबीर गंगवा

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि घटती जोत एवं बदलते मौसम के अनुरूप किसानों को पारंपरिक खेती की जगह अधिक से अधिक नई तकनीकी व वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की जरूरत है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे परंपरागत खेती को छोड़कर खेती की नवीनतम तकनीक को अपनाएं और अपनी आमदनी बढ़ाएं। पौधों से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री आज भिवानी के गांव मंढाण में ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी के उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मंत्री ने विभिन्न प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। मंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति वचनबद्ध है। केंद्र सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, वहीं प्रदेश में अधिकतर फसलें एमएसपी के भाव पर खरीदी जा रही हैं।

जिला को नशा मुक्त बनाना उद्देश्य, निरंतर जारी रहेगा अभियान: एसपी आस्था मोदी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। नशा तस्करो की धरपकड़ व अन्य अपराधीक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए एसपी आस्था मोदी के निदेर्सानुसार डीएसपी कुलदीप बेनीवाल के नेतृत्व में कैथल पुलिस लगातार प्रयासरत है। रविवार की सुबह थाना ढांड, शहर, सदर व गुहला तथा चौकी अनाजमंडी व चौकी संगतपुरा क्षेत्र में कमांडो दस्ते के साथ 30 पुलिस टीमों में शामिल करीब 250 पुलिस कर्मचारियों द्वारा स्नाईपर डॉग की सहायता से सर्च आपरेशन चलाया गया। जिसके तहत पूरे क्षेत्र में आमजन के मन में सुरक्षा के भावों को पूख्ता किया गया व करीब 200 संदिग्ध घरो की जांच सहित अन्य जगह की छानबीन की गई कि कहीं किसी जगह कोई मादक पदार्थ छीपा रखा हो या कोई नशा बेचने वाला या अपराधीक कार्य करने वाला गैर कानूनी तरीके से न रहता हो।

एसपी आस्था मोदी ने कहा कि सुबह-सुबह चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को

जांच व पूछताछ करते पुलिसकर्मी। (छाया: एसबी)

पुख्ता करना व अपराधियों में भय उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में मुख्य रूप से नशे का कारोबार करने वालों और आपराधिक कार्यों में शामिल आरोपी जो गैर कानूनी तरीके से रह रहे हों पर शिकंजा कसना है, जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। इसके साथ साथ पुलिस द्वारा सर्च ऑपरेशन के अलावा वहां मौजूद आमजन को समझाया गया कि किसी प्रकार के मादक पदार्थ बेचने वाले या अन्य किसी अपराधी के बारे में पुलिस को सूचित करें, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा, इसके साथ साथ नशा ना करने बारे भी जागरूक किया गया। पुलिस का यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा और इससे या तो अपराधीक व्यक्ति अपराध करना छोड़ देगा या वह कैथल के क्षेत्र को छोड़ देगा।